साप्ताहिक
RNI NO. MPBIL/2015/66534
एक्यूरेट कन्सेप्शन
ACCURATE CONCEPTION
WWW.ACCURATECONCEPTION.COM
BILINGUAL WEEKLY NEWS PAPER
VOL-3, ISSUE- 20 | 30th Sep - 6th Oct 2019 | PAGES-8, RS. 2

HEADLINES

मुख्यमंत्री कमल नाथ के नेतृत्व में 'वन्दे-मातरम' सामूहिक गायन

भोपाल। मुख्यमंत्री कमल नाथ के नेतृत्व में आज मंत्रालय स्थित सरदार पटेल पार्क में राष्ट्रगीत 'वन्दे-मातरम्' और राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन सम्पन्न हुआ। जन-सामान्य ने बढ़ी संख्या में शौर्य स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर पुलिस बैंड के साथ मंत्रालय तक मार्च किया। पुलिस बैंड निरंतर देशभक्ति पूर्ण गीतों की धुनों के साथ वल्लभ भवन की ओर अग्रसर हुआ। सरदार पटेल पार्क में सामूहिक गायन में जनसम्पर्क मंत्री पी.सी. शर्मा, मुख्य सचिव एस.आर. मोहन्ती, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन के.के. सिंह, अपर मुख्य सचिव जल-संसाधन एम. गोपाल रेड्डी, अपर मुख्य सचिव आयुष श्रीमती शिखा दुबे, अपर मुख्य सचिव वित्त अनुराग जैन सहित बड़ी संख्या में मंत्रालय, विंध्याचल तथा सतपुड़ा भवन में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी शामिल हुए।

Why Modi's "Ab Ki Baar, Trump Sarkar" Helps India

After the Houston triumph, Narendra Modi has emerged as the Henry Kissinger of Indian diplomacy. He has achieved what no other Indian Prime Minister could, bringing the US to India's side in its fight against Pak-sponsored Islamic Terrorism. The bonhomie and camaraderie displayed by the two great leaders of two great democracies have opened great possibilities and hope for India and the US. Narendra Modi as Prime Minister since 2014 has been trying to leverage the Indian diaspora as a great diplomatic asset. The Houston event marked the coming of age of this strategy when Modi and Trump, holding hands, strolled across the stadium greeting the 50,000 people of Indian origin with an unambiguous political message.

1 करोड़ जीतने वाली ये कंटेस्टेंट बनीं चुनाव आयोग की ब्रैंड एम्बेसडर

अमरावती। हाल ही में 'कौन बनेगा करोड़पति' शो से 1 करोड़ रुपये की रकम जीतने वाली बबीता ताड़े को इलेक्शन कमीशन ने डिस्ट्रिक्ट एम्बेसडर बना दिया है. जी हां, बबीता ताड़े को चुनाव आयोग ने अपने (सिस्टमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्ट्रोल पार्टीसिपेशन) कार्यक्रम के लिए अमरावती जिला से डिस्ट्रिक्ट एम्बेसडर बनाया है. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र यह फैसला लिया गया. अमरावति जिला परिषद की चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मनीषा खत्री ने बताया कि अब बबीता ताड़े अमरावती जिले की डिस्ट्रिक एम्बेसडर होने के नाते लोगों के पास जाएंगी और उन्हें मतदान के महत्व के बारे में बताएंगी.

वहीं, बबीता ताड़े ने कहा, 'मैं लोगों से जुड़ने की कोशिश करूंगी, खासकर गांव के लोगों से. उनसे आग्रह करूंगी कि वो बड़ी संख्या में वोटिंग में हिस्सा लें.'

हनीट्रैप मामला: लिपस्टिक और चश्में में लगाते थे कैमरा, अंतरंग पलों को कर लेते थे कैद

भोपाल। मध्यप्रदेश में हाल ही में पुलिस के शिकंजे में आये मोहपाश (हनी ट्रैप) गिरोह के सदस्य अपने जाल में फंसे धनी एवं रसूखदार लोगों के साथ अंतरंग पलों का वीडियो बनाने के लिए कैमरे लिपस्टिक कवर और चश्मों में छुपाकर रखते थे. पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह गिरोह इन्हीं वीडियो की मदद से धनी एवं रसूखदार लोगों को ब्लैकमेल करता था. गौरतलब है कि इंदौर नगर निगम के इंजीनियर हरभजन सिंह की शिकायत पर पुलिस ने 19 सितंबर को हनी ट्रैप गिरोह का खुलासा किया था. गिरोह की पांच महिलाओं समेत छह सदस्यों को भोपाल और इंदौर से 18 एवं 19 सितंबर को गिरफ्तार किया गया.

हनी ट्रैप और ब्लैकमेल कर इस इंजीनियर से तीन करोड़ रुपये मांगने के आरोप में पुलिस ने इन्दौर और भोपाल से पांच युवतियों आरती दयाल, मोनिका यादव, श्वेता जैन (पति विजय जैन), श्वेता जैन (पति स्वप्निल जैन) और बरखा सोनी को भारतीय दंड संहिता की धारा 405/19, 419, 420, 384, 506, 120-बी एवं 34 के तहत गिरफ्तार किया. इनके एक वाहन चालक ओमप्रकाश कोरी को भी गिरफ्तार किया गया. इंदौर की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रूचिवर्धन मिश्र ने बताया कि जांचकर्ताओं को संदेह है कि इस गिरोह ने महिलाओं का इस्तेमाल कर राजनेताओं और नौकरशाहों समेत कई रसूखदारों को भी जाल में फंसाया था और इन लोगों से धन उगाही के अलावा अपनी अलग-अलग अनुचित मांगें जबरन मनवायीं. गिरोह खुफिया कैमरों से अंतरंग पलों के वीडियो बनाकर अपने 'शिकार' को इस आपत्तिजनक सामग्री के बूते ब्लैकमेल करता था.

आरएसएस के लोग शादी नहीं करते, हनीट्रैप में फंसते हैं : कांग्रेस - इनमें से कई वीडियो क्लिप सोशल मीडिया में वायरल भी हुए हैं. हालांकि, इनमें से कुछ वीडियो में स्पष्ट समझ आता है कि उनसे छेड़छाड़ किया गया है. इस संबंध में प्रतिक्रिया जानने के बाद मिश्र एवं अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमरेन्द्र सिंह से बार-बार फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन विफल रहा. दोनों अधिकारी हनी ट्रैप मामले की जांच के लिये गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के सदस्य हैं.

यूपी में 14 नये मेडिकल कॉलेज खोलने पर मुहर, 14 जिलों में चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार रात हुई मंत्रिमण्डल की बैठक में 21 प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी. इनमें सूबे में दूसरे चरण के तहत 14 जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने और 14 जिलों में वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की मंजूरी शामिल है. प्रदेश सरकार के प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह और श्रीकांत शर्मा ने देर रात संवाददाताओं को बताया कि राज्य की योगी सरकार ने 14 जिलों में यातायात को सुगम बनाने और प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए 700 इलेक्ट्रिक बसों को चलाने की मंजूरी दी है.

उन्होंने बताया कि ये 32 सीटर बसें लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज, आगरा, गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसी, मुरादाबाद, अलीगढ़, झांसी, बरेली, गोरखपुर, शाहजहांपुर, मथुरा-वृन्दावन में चलाई जाएंगी. केन्द्र सरकार भी इसके लिए हर साल 45 लाख रुपये का अनुदान देगी. इस परियोजना की कुल लागत 965 करोड़ रुपए है. इसे पीपीपी मोड पर चलाया जाएगा. एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में मंत्रिमण्डल ने राज्य में दूसरे चरण के 14 मेडिकल कालेज की मंजूरी दे दी है.

सुल्तानपुर, चंदौली, गोण्डा, बुलंदशहर, औरैया, अमेठी, सोनभद्र, लखीमपुर, पीलीभीत और ललितपुर समेत 14 जिलों में ये मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे. कैबिनेट ने वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र के विस्तारीकरण और सौंदर्यीकरण के दूसरे चरण के कार्य के लिए 318.67 करोड़ रुपए भी मंजूर किये. मुख्यमंत्री का निर्देश है कि दिसंबर 2021 तक पूरा कारीडोर बनकर तैयार हो जाए.

EDITORIAL

Durga is a name for Strength. She is love. She is an epitome of beauty. She is loving, caring and affectionate.

She is a goddess of thoughts and actions who binds everything together. She is the ultimate Shakti.

Like wise Maa Durga , Woman too has many faces and shades of personality. A woman acts as a financial adviser as well as a home-maker. She confidently steps in the outside world and makes her mark and makes her presence felt.

At the home front she is the home minister. She nurtures the future generations.

It is with her efforts that a House becomes a Home. She is the 'heart' of her home.

She acts like a guiding force for all the members.

She herself may be sad at times but would keep everyone around her happy. She herself could be in pain but would be ready to give pleasure to her loved ones.

In all circumstances, she would be ready to fulfill all her responsibilities since she sincerely feels happy doing them.

A Woman makes, nurtures, imparts and inculcates various values to everyone around her especially the children.

When her help is required, she lovingly support and helps everyone.

At the time of emotional crisis, she acts like a true support system.

She is a strong headed personality.

A person who maintains the beauty of affection and strength together.

She really deserves a better position in family and society. She has to be respected for being a woman.

She could be our daughter, sister, mother, friend wife or our any other beautiful relation.

But, if we think deeply she is the ultimate reason for our existence and presence in life.

So, let us on this Navratri thank all the women in our lives who have made the difference in our lives. The physically present Durga Maa in our lives.

SALUTE TO THE WOMAN POWER......
SALUTE TO THE POWER OF SHAKTI....
RESPECT WOMAN ....

Thought of the Week : "Honest communication is built on truth and integrity and upon respect of the one for the other."

जम्मू में नजरबंद रखे गए नेताओं को पंचायत चुनाव से पहले किया गया रिहा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने और सुरक्षा लॉकडाउन लागू होने के दो महीने बाद जम्मू के सभी नेताओं की नजरबंदी हटी दी गई है. हालांकि, कश्मीर घाटी में उनके समकक्षों को हिरासत या घर में नजरबंद रखा गया है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जम्मू के जिन नेताओं को नजरबंद किया गया था, उन्हें रिहा कर दिया गया है और उन पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए गए. यह फैसला सरकार द्वारा राज्य में पंचायत राज व्यवस्था के दूसरे स्तर के खंड विकास परिषद के लिए चुनाव की घोषणा के कुछ दिनों बाद लिया गया है.

आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि चूंकि जम्मू क्षेत्र शांतिपूर्ण है, इसलिए राजनीतिक बंदियों को रिहा करने का निर्णय जम्मू-कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा सोमवार को खंड विकास परिषद चुनाव के लिए मतदान की घोषणा के बाद लिया गया. जिन्हें रिहा किया गया है, उनमें देवेंद्र सिंह राणा, रमन भल्ला, हर्षदेव सिंह, चौधरी लाल सिंह, विकार रसूल, जावेद राणा, सुरजीत सलाथिया और सज्जाद अहमद किचलू शामिल हैं. अमेरिका ने भारत पर आतंकी हमले की जताई आशंका, कहा- पाक स्थित कई आतंकी संगठन है तैयारी में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता देवेंद्र राणा ने एनडीटीवी को बताया, 'हां, मुझे कल एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब आप पर कोई भी प्रतिबंध नहीं है.' बता दें, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के बाद जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों महबूबा मुफ्ती, उमर अब्दुल्ला और फारूक अब्दुल्ला सहित लगभग 400 राजनीतिक नेताओं को या तो हिरासत में रखा गया था. वहीं कईयों को घर में ही गिरफ्तार किया हुआ था. अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया गया. कश्मीर घाटी में पिछले 57 दिनों से इंटरनेट और संचार सेवाएं बंद हैं.

कमलनाथ सरकार ने जांच प्रमुख को तीसरी बार क्यों बदला, क्या पर्दा डालने की तैयारी है?

भोपाल। मध्य प्रदेश में पकड़े गए हाई प्रोफाइल हनी ट्रैप मामले में 'दाल में कुछज्यादा ही काला नजर' आ रहा है. इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के चीफ को कमलनाथ सरकार ने तीसरी बार बदला है. सबसे पहले मामले की जांच श्रीनिवास वर्मा को सौंपी गई थी लेकिन 24 घंटे के अंदर ही उनसे यह जिम्मेदारी ले ली गई और संजीव शामी को एसआईटी हेड बना दिया गया. लेकिन अब राजेंद्र कुमार को यह जिम्मेदारी दे दी गई. मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्य सचिव एसआर मोहंती और डीजीपी वीके सिंह और एसआईटी प्रमुख संजीव शामी को तलब किया. मुख्यमंत्री ने मामले में एटीएस के शामिल होने पर नाराजगी जताई. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक दो शीर्ष अधिकारियों और शीर्ष सलाहकारों ने सीएम कमलनाथ को समझाया कि इस मामले में इतने 'रहस्य' उजागर होंगे कि राज्य सरकार झेल नहीं पाएगी. इन लोगों ने समझाया कि इस मामले की जांच में एटीएस को शामिल करना डीजीपी वीके सिंह की बड़ी गलती है.

अब इस नए घटनाक्रम के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या सरकार अंदर ही इस मामले में पर्दा डालने की कोशिश कर रही है. क्योंकि अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक इस हनी ट्रैप मामले में कांग्रेस-बीजेपी के कई बड़े नेता, अधिकारी भी फंसे हुए हैं और महाराष्ट्र के एक बड़े नेता का भी नाम सामने आ रहा है. बीते अगस्त महीने में इस पूरे मामले का पर्दाफाश हुआ था. इसमें गिरफ्तार पांच महिलाओं और उनके कार ड्राइवर ने खुलासा किया है कि रैकेट के मास्टरमाइंड की निगाहें दिल्ली पर टिकी थीं. वह केंद्र सरकार से अपने एनजीओ या अपने बड़े कॉर्पोरेट ग्राहकों, जिनमें से कुछ भारत के बाहर बसे हुए भी हो सकते हैं के लिए ठेके हासिल करना चाहता था. रैकेट का मास्टरमाइंड छत्तीसगढ़ में एक मेगा प्रोजेक्ट पर नज़र गड़ाए हुए था. वह छत्तीसगढ़ में नेताओं और नौकरशाहों से अपने संपर्कों का फायदा अपने बड़े कॉर्पोरेट ग्राहकों में से एक को दिलाना चाहता था.

एक सूत्र ने कहा कि 'विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में उनका कोई आधार नहीं था. राज्य के दो से तीन पूर्व मंत्रियों और आईएफएस और आईएएस अधिकारियों के साथ जरूर उनके निकट संबंध थे.' एनडीटीवी को जांच से पता चला है कि रैकेट के मास्टरमाइंड ने करीब एक साल पहले विदेशों में व्यापार करने वाले एक एनआरआई व्यवसायी को केंद्र सरकार से एक महत्वपूर्ण एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट संबंधी कॉन्ट्रेक्ट दिलाने की पुरजोर कोशिश की थी. हालांकि दिल्ली में अधिकारियों और राजनीतिक संपर्कों के जरिए किए गए उसके प्रयास सफल नहीं हो सके. सेक्स रैकेट के मास्टरमाइंडों में से एक अहम व्यक्ति जो कि कथित तौर पर भोपाल के करीब एक फैक्ट्री चलाता है, ने अपने हाई-प्रोफाइल संपर्कों का उपयोग करते हुए केंद्र के एक प्रमुख पब्लिक सेक्टर में सप्लाई के लिए एक बार अनुबंध प्राप्त करने में कामयाबी हासिल की थी. इस रैकेट ने दो मोर्चों पर काम किया, इसके कर्ताधर्ताओं ने पहले प्रभावशाली नेताओं, नौकरशाहों और वरिष्ठ पुलिस अफसरों से अंतरंग संबंध विकसित किए. इसके बाद, रैकेट संचालकों ने इन विशेष रूप से निर्णय लेने का अधिकार रखने वाले प्रभावशाली लोगों को उपकृत किया. उनसे एनजीओ के लिए कौशल विकास, प्रशिक्षण और प्रचार से संबंधित काम के लिए कार्य ऑर्डर हासिल किए गए. इसके अलावा, उन्होंने अपने कॉर्पोरेट ग्राहकों को सरकारी कॉन्ट्रेक्ट दिलाने के लिए इन प्रभावी लोगों का उपयोग किया, जिसके लिए उन्हें वास्तव में आकर्षक कमीशन मिला.

यूपीटीईटी परीक्षा का नोटिफिकेशन 8 तारीख के बाद होगा जारी, इस महीने होगी परीक्षा

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए नोटिफिकेशन जल्द जारी कर दिया जाएगा. सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया, 'हम सरकार को प्रपोजल भेज जुके हैं और इस पर बैठक भी हो चुकी है. ऐसे में दशहरे के बाद नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा. UPTET परीक्षा दिसंबर में आयोजित की जाएगी.' कुल मिलाकर ये साफ हो गया है कि 8 अक्टूबर के बाद नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा. यूपीटीईटी परीक्षा का नोटिफिकेशन ऑफिशियल वेबसाइट upbasiceduboard.gov.in और e&amregulatoryauthorityup.in पर जारी किया जाएगा. आप इन वेबसाइट्स पर जाकर नोटिफिकेशन डाउनलोड कर सकेंगे.

यूपिटेट परीक्षा पिछले कुछ सालों से अक्टूबर और नवंबर में आयोजित होती आ रही है. लेकिन इस बार परीक्षा में देरी हुई है. इस परीक्षा में हर साल लाखों की संख्या में उम्मीदवार भाग लेते हैं. UPTET एक राज्य स्तरीय परीक्षा है, जो उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्कूलों में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की भर्ती के लिए आयोजित की जाती है. इस परीक्षा में पास होने वालों को UPTET पात्रता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाता है जो कि 5 वर्षों के लिए वैध होता है. यूपिटेट में पास होने वालों के लिए वैकेंसी निकाली जाती है. जिसके बाद लिखित परीक्षा के माध्यम से शिक्षकों के पदों पर नियुक्तियां होती हैं. UPTET 2019 की परीक्षा में 2 पेपर होंगे. पहला पेपर प्राथमिक स्तर के लिए (कक्षा 1-5 शिक्षक) के लिए और दूसरा पेपर उच्च प्राथमिक स्तर के लिए (कक्षा 6-8 शिक्षक) के लिए होगा. परीक्षा में 150 सवाल होंगे. परीक्षा को पूरा करने के लिए उम्मीदवारों को 2 घंट और 30 मिनट का समय मिलेगा.

AWARENESS

Safety Tips For Women

1. **Awareness:** Your first line of defence. Most people think of kicks to the groin and blocking punches when they hear the term "self-defence." However, true self-defence begins long before any actual physical contact. The first, and probably most important, component in self-defence is awareness: awareness of yourself, your surroundings, and your potential attacker's likely strategies.

The criminal's primary strategy is to use the advantage of surprise. Studies have shown that criminals are adept at choosing targets who appear to be unaware of what is going on around them. By being aware of your surroundings and by projecting a "force presence," many altercations which are commonplace on the street can be avoided.

2. **Use your sixth sense.** "Sixth sense." "Gut instinct." Whatever you call it, your intuition is a powerful subconscious insight into situations and people. All of us, especially women, have this gift, but very few of us pay attention to it. Learn to trust this power and use it to your full advantage. Avoid a person or a situation which does not "feel" safe–you're probably right.
3. **Self-defense training.** It is important to evaluate the goals and practical usefulness of a women's self-defense program before signing up. Here are two tips:

a) Avoid martial arts studios unless you specifically wish to train in the traditional martial arts techniques and are prepared for a long-term commitment. Many women's self-defense programs teach watered-down martial arts techniques that are complex and unrealistic under the stress of an actual attack;

b) The self-defense program should include simulated assaults, with a fully padded instructor in realistic rape and attack scenarios, to allow you to practice what you've learned.

4. **Escape:** Always your best option. What if the unthinkable happens? You are suddenly confronted by a predator who demands that you go with him–be it in a car, or into an alley, or a building. It would seem prudent to obey, but you must never leave the primary crime scene. You are far more likely to be killed or seriously injured if you go with the predator than if you run away (even if he promises not to hurt you). Run away, yell for help, throw a rock through a store or car window–do whatever you can to attract attention. And if the criminal is after your purse or other material items, throw them one way while you run the other.
5. **Your right to fight.** Unfortunately, no matter how diligently we practice awareness and avoidance techniques, we may find ourselves in a physical confrontation. Whether or not you have self-defence training, and no matter what your age or physical condition, it is important to understand that you CAN and SHOULD defend yourself physically. You have both the moral and legal right to do so, even if the attacker is only threatening you and hasn't struck first. Many women worry that they will anger the attacker and get hurt worse if they defend themselves, but statistics clearly show that your odds of survival are far greater if you do fight back. Aim for the eyes first and the groin second. Remember, though, to use the element of surprise to your advantage–strike quickly, and mean business. You may only get one chance.

ART & CULTURE

Durga Pooja

The festival starts on the first day with Mahalaya and ends on the tenth with Vijay Dashmi. An interesting fact about the festival, among many others, is that from the 6th to the 9th day, Goddess Durga is worshipped in a different form and depicted in a different way. Each day has its own significance. According to one of them, this festival was first started by the landlords or Zamindars of Dinajpur and Malda between late 16th to early 17th centuries. It is also said that in 1790, 12 friends, belonging to Guptipara in Hooghly district district of West Bengal, collected funds from the locals to organise the first ever community puja, called the baro-yaari. This is where the tradition of community puja is believed to have originated. The first Durga Puja Celebrations in Kolkata were held in 1909.

Several scholars have their own take on the origins of the festival in West Bengal. One of them, Pranab Bandhopadhyay, believes that the worship of Durga Maa, and her more fierce avatar, Maa Kali, become especially popular with the Islamic invasion in the medieval era. Rachel Mcdermott, Professor of Asian and Middle Eastern Cultures, is of the opinion that it evolved into a social festival largely because of the persecution of Bengali Hindus in the Bengal Sultanate. Worshipping the supreme form of Mother united all of them with a spiritual and emotional bond.

Although the festival also finds a mention in the Hindu dharm granthas, there is an inconsistency regarding it. In some of the Puranas, it has been mentioned as a spring festival, while in Devi-Bhagavata Purana and Shakta Puranaas, it has been referred to as an autumn festival. Even the Indian mythology books differ regarding its origin. While the Ramayana, which is popular in North India, South India and West India depicts Lord Rama invoking Surya, the sun god, before his battle with Ravana, the Bengali version of the Ramayana depicts him invoking Goddess Durga.

ENTREPRENEUR

Meeting Etiquette - Codes of Conduct while attending Meetings

Etiquette refers to good manners required by an individual to find a place in the society. It is important for an individual to behave appropriately in public to earn respect and appreciation.

One must learn to maintain the decorum of the work place. It is important to respect one's organization to expect the same in return. No one would ever take you seriously if do not behave well at the workplace.

Meetings are an important part of corporates where employees sit together on a common platform, exchange their views and opinions and reach to a solution benefitting the organization and mutually acceptable to all.

Meeting Etiquette refers to codes of behavior an individual ought to follow while attending meetings and discussions at the workplace.

Let us go through some meeting etiquette in detail:

- Try to find out what the meeting is all about. Understand the importance of the meeting. Never go blank. Employees should do all the ground work before attending meetings to ensure maximum participation from their end. Prepare notes in advance.
- Never attend meetings without a notepad and pen. It is practically not possible for an individual to remember each and every thing discussed at the time of meeting. A notepad helps in jotting down the important points for future reference.
- Always keep your cell phone on the silent or vibrator mode. Cell phones ringing in the middle of meetings and seminars are considered rude and unprofessional. This might insult others sitting in the same room as well as break the pace of the meeting.
- Do not attend phone calls during meetings unless it is an emergency. It is bad manners to do the same.
- Superiors must create an agenda before every meeting. The agenda must be circulated among all employees for them to prepare in advance. Meetings should not be conducted just for the sake of it. It is important to have well defined plans. Make a list of issues to be discussed at the time of meeting. Make sure you do not deviate from the key points. Keep the meetings short.
- Never be late for meetings. Going late for a meeting is something which is not expected out of a professional.
- Chewing gum during meetings is childish and must be avoided.
- Be a good listener. Listen to what others have to say. Wait for your turn to speak.
- Sit wherever you find a place. Do not run here and there.
- Do not enter the meeting room once the meeting has already begun It disturbs others.
- Avoid taking your cups of coffee or tea to meeting rooms unless and until advised by superiors.
- Fiddling with pen or notepad is one of the major distractions in meetings. One must concentrate and stay alert. Be an attentive listener. Do not yawn even if you find the meeting boring.
- The one chairing the meeting must speak loud and clear. It is essential to take care of the pitch and tone.
- Meetings ought to be interactive and allow employees to come up with their suggestions and valuable feedback. A question answer round must be kept at the end for employees to clear their doubts.
- Once the meeting is over, minutes of the meeting must be prepared and circulated across all departments for them to take necessary action
- Use Whiteboards, projectors, graphs, pointers, slides for better clarity.
- Do not convert the meeting room into a battle ground. Speak politely and do respect your colleagues.

Fashion

Stylish Hair

Food / Health

Kaju ki Barfi Recipe

Kaju Katli Recipe: The quintessential Indian sweet of festivals and celebratory occasions, Kaju barfi is a delicious sweet to prepare at home. A delectable blend of cashew nut and milk, topped by silver leaf, traditionally served at festivals like Diwali and other special occasions. A fuss-free, simple and easy barfi recipe with a handful of ingredients, you can prepare this at home and serve your guests post a full meal at dinner parties.

Ingredients Of Kaju Ki Barfi

- 250 gms cashew nuts
- 250 gms sugar
- 240 gms milk
- A few silver leaves - for decoration (optional)
- A greased plate to set the barfee in

How to Make Kaju ki Barfi

- 1.Blend cashews and milk in a blender to a fine paste.
- 2.Mix paste and sugar and cook over low heat stirring till the sugar dissolves, then bring to a boil.
- 3.Continue stirring over medium heat, till the mixture leaves the sides of the pan, and becomes a dough like paste.
- 4.Remove from heat and when cool enough to handle, roll it on to a greased surface, with a greased rolling pin (roll before it cools).
- 5.Roll to 1/4cm / 1/8" thickness.
- 6.Now cover with the silver leaf and leave to cool, then cut into diamond shaped pieces.

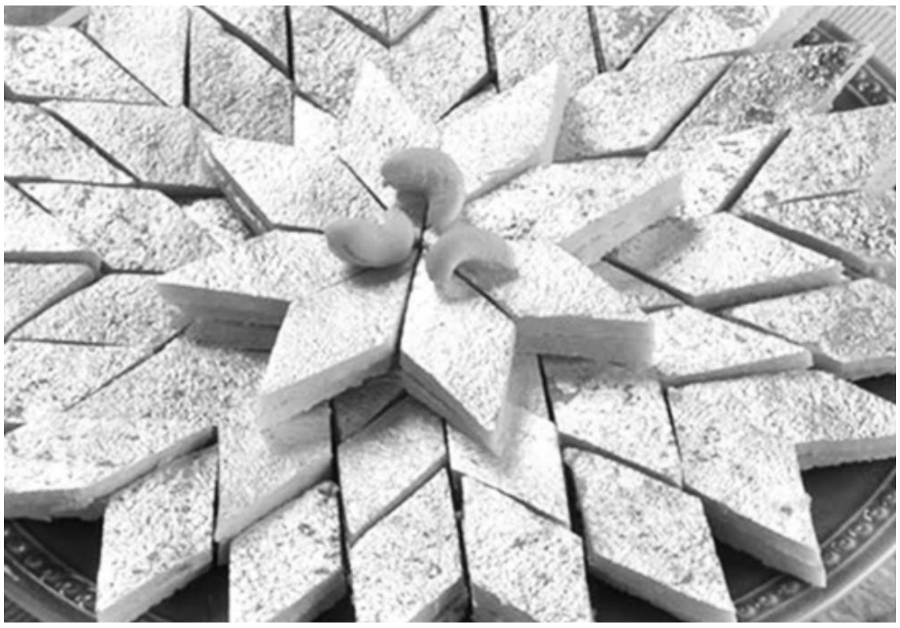

FITNESS

Toned ABS

INTERIOR

Balcony Grill

Business

इस महीने 11 दिन बंद रहेंगे बैंक, 2 अक्टूबर के अलावा इन दिनों होगी आपको परेशानी

यह महीना त्योहारों का है और इसमें खर्च भी बढ़ जाता है। व्यापारियों से लेकर आप आदमी तक बैंक के चक्कर लगाने के लिए सभी मजबूर हो जाते हैं। अगर आप भी इन्ही लोगों में से हैं जिनका बैंक से कुछ ज्यादा ही पाला पड़ता है तो अपने साले काम मौका देखकर निपटा लें क्योंकि इस महीने कुल 11 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं और सबसे लंबी छुट्टी 4 दिन की होगी। आज यानि दो अक्टूबर के अलावा इस महीने दशहरे और दिवाली की छुट्टियां भी पड़ने वाली हैं और साथ ही रविवार और शनिवार को यूं भी बैंक बंद रहते हैं। ऐसे में अक्टूबर महीने के आने वाले दिनों में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

इस महीने 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर बैंक बंद रहने के बाद 5 अक्टूबर से लेकर 8 अक्टूबर तक लगातार चार दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। पांच अक्टूबर को जहां शनिवार है वहीं 6 को रविवार और 7 को महानवमी के अलावा 8 अक्टूबर को दशहरा है। हालांकि, महानवमी के दिन देश के सभी राज्यों में बैंक हॉलिडे नहीं रहता है। इसके अलावा फिर 12 और 13 अक्टूबर को बैंक फिर से बंद रहेंगे। वहीं 20 अक्टूबर को फिर से रविवार की छुट्टी होगी। महीने के अंत में यानि 26, 27 और 28 तारीख को दिवाली का अवकाश रहेगा। इस हिसाब से देखा जाए तो महीने में 20 दिन ही बैंक खुलेंगे और सबसे ज्यादा परेशानी पहले और आखिरी हफ्ते में होने वाली है। ऐसे में बेहतर यही होगा कि आप समय रहते अपना बैंक का काम निपटा लें। बता दें कि गुवाहाटी और अहमदाबाद में 30 और 31 अक्टूबर को भी बैंक निंगोल चकौबा और सरदार पटेल जयंति की वजह से बंद रहेंगे। इसके अलावा कुछ राज्यों में अलग-अलग दिनों में छुट्टियां रह सकती हैं। यहां जो जानकारी दी गई है वो राष्ट्रीय स्तर पर घोषित अवकाशों के बारे में है।

SPIRITUALITY

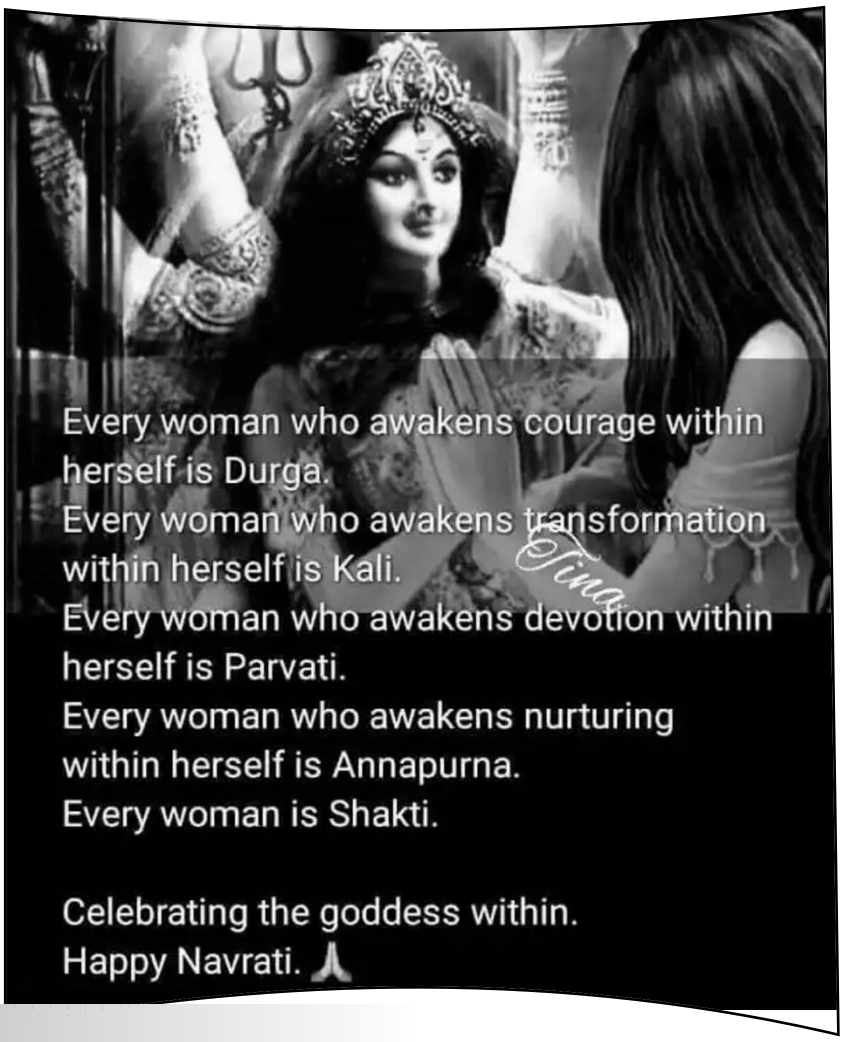

TRAVEL

Best Ways to Experience Kolkata's Durga Puja Festival

In Hinduism, Mother Durga represents the embodiment of shakti, the divine feminine force that governs all cosmic creation, existence and change. It is held that Durga emerged from the collective energies of all of the gods, including Shiva, Vishnu and Brahma, to vanquish the demon Mahishasura who could not be defeated by any god or man. She is thus the compassionate savior of all of the gods and the universe. Durga exists in a complete state of self-sufficiency and independence from the universe and everyone and everything in it (in Sanskrit, Durga means "the impenetrable" or "the inaccessible"). At the same time, she is also regarded as the mother of Ganesha and Kartikeya, and is thus seen as the demon-fighting form of Shiva's wife, Parvati.

Durga is honored with extreme fervor during the annual Navratri festival, which marks the beginning of autumn and occurs typically in September or October. Navratri means "nine nights" in Sanskrit, and on each day of the festival, nine different forms of shakti or Mother Durga are worshipped. In West Bengal, this festival occurs primarily on days six through ten of Navratri. On the tenth day, Durga's victory over evil is celebrated as Vijayadashami in Bengal and Dussehra in Hindi (in North India, Dussehra also commemorates Rama's victory over the demon Ravana as described in the Ramayana). Durga Puja also celebrates the annual visit of Durga and her children to her ancestral home, and her reunion with Shiva on Vijayadashami. Our innovative trip focuses on the last six days of Navratri in West Bengal, which is known as Durga Puja or Durgotsava and is the largest festival of the year for Bengali Hindus. In the months leading up to Durga Puja, highly decorated, life-sized idols of Durga that depict her slaying Mahishasura are created by potters out of clay. In large open spaces around West Bengal, elaborate pandals, or temporary temples made of bamboo and cloth, are created to house the idols. The idols are worshipped for five days and then carried in magnificent procession to a local river for immersion, symbolizing Durga's reunion with Shiva. The five-day period of worship is a time of personal introspection and bodily purification for devotees, with many avoiding meat, alcohol, onions, wheat and grains. The end of Navratri and Durga Puja further marks an auspicious time for starting new activities or business ventures.

Dance for the Goddess

After the evening rituals on Ashami, it's traditional for the devotional Dhunuchi folk dance to be performed in front of Goddess Durga to please her. This is done holding an earthen pot filled with burning coconut husk and camphor. Drummers lead the dancers with their beats, which vary in speed. Smoke, sound and rhythmic swaying engulf the atmosphere. It's intense and intoxicating! The dance is inclusive and anyone, men and women, can join in. It has become so popular that people have started organizing competitions.

There's never a better time to sample Kolkata's famous Bengali cuisine than Durga Puja. The festival isn't considered to be complete without food! You'll find a wide array of it everywhere -- on the streets, at the pandals, and in specialty Bengali restaurants. Pandal hopping does get tiring, so eating while you're out and about is a must. The food served to visitors at the pandals is called bhog (offerings to the god which are distributed). It commonly consists of mixed vegetable curry, a sweet dish, fried item, and chutney. Kolkata's Bengali restaurants have exclusive Durga Puja menus packed full of authentic delicacies -- both buffet and a la carte. Bengali sweets are also consumed in huge quantities during the festival!

Witness the Immersion of Durga Idols:

On the last day of Durga Puja, known as Dashami, the festivities commence with married women placing red sindoor (powder) on the idols of Goddess Durga. They then smear it on each other. In the evening, the idols are immersed in the water. One of the most popular immersion points is Babu Ghat (centrally located near Eden Garden), although you'll be able to catch the action at any of the ghats along the river. An excellent way of seeing it is by boat. West Bengal Tourism Development Corporation conducts special immersion boat cruises down the river. Otherwise, head to Red Road to watch the Durga idols being taken in procession to the ghats as revelers chant, "Aasche bochor abar hobe!" (It'll happen again next year!).

The significance of Ravana's 10 heads

Ravana : Ravana is one of most amazing characters in the Hindu mythology. Through his indomitable spirit and unconquerable warring powers, this gigantic demon posed a real challenge even to Sri Rama, the divine incarnation of Mahavishnu. While we deplore Ravana's evil tendencies and vices, certainly Ravana is an awe inspiring personality for his distinguished characteristics and achievements. Often it is a matter of debate whether Ravana's ten heads were physically appended to his body or they symbolically denoted something. This question needs to be studied from different perspectives.

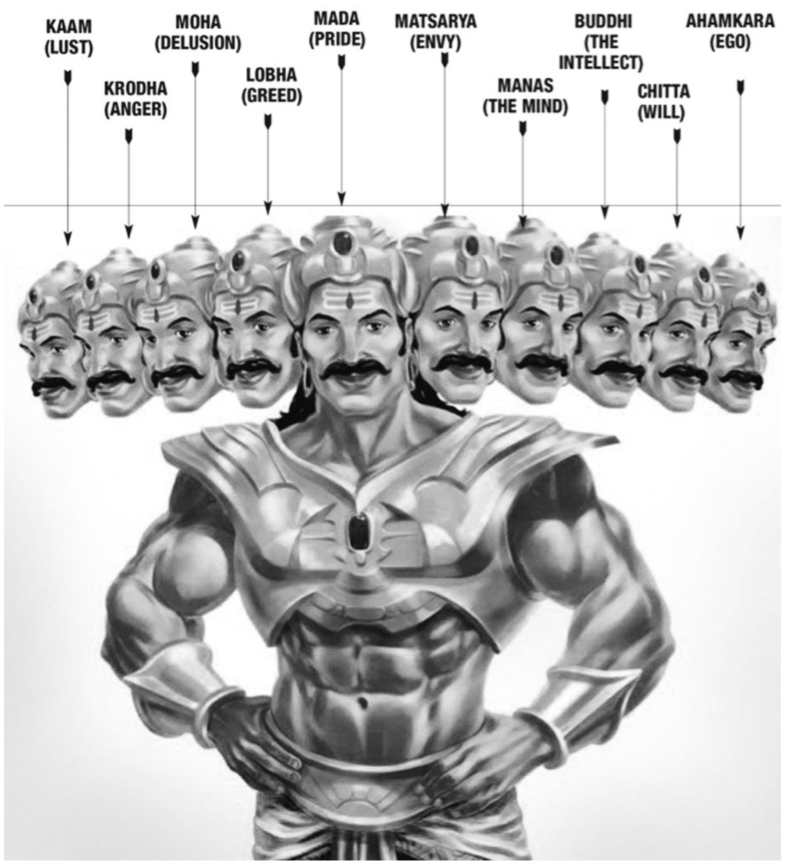

Were the 10 heads physically appended to Ravana's body? : Though we do not have evidences from reliable sources to state whether the 10 heads of Ravana were physically appended to his physical frame, we can infer that the multiple heads in Hindu mythology is often symbolic, indicative of the characteristics of the person in question. Several gods and goddesses in the Hindu pantheon have multiple heads, which actually talk of their multifarious aspects and powers. In this connection, we can say that Ravana's heads are indicative of his achievements and powers.3/6

Ravana's 10 heads and his powers : Ravana descended in a venerable lineage. He was in fact said to be the grandson of Lord Brahma, the creator. Through his severe penances, Ravana had secured several amazing boons. Excepting his impractical demand of immortality or deathlessness, everything else he asked was granted to him by Lord Brahma. As per the boons he received, Ravana could grow his head ten times again and again even after it was severed from his body. This is what is indicated of his 10 heads.

Ravana's incredible offering to Lord Shiva : Once Ravana wished to have the darshan of Lord Shiva but was stopped on the way by Nandikeshwara, the guardian of the Himalayas. Growing egoistic, Ravana plucked the Himalayas and tried to uproot it. When the mountains shook in tremor, Lord Shiva pressed it with his toe and the hills landed on the demon trapping him beneath. In order to please Shiva, Ravana cut one of his heads as an offering and sang his praises. He pulled out the nerves of his body to use as the strings of lyre to play the accompanying music. It is said after this offering, he had only nine more heads.

The 10 heads symbolism: Ravana was a great intellectual. He had mastered the four Vedas and six Shastras. It is said that his ten heads symbolically represented the mastery over these ten scriptures in total. Also, it is said the ten heads symbolized the six qualities and ten aspects of the created beings namely Kama (lust), Krodha (anger), Lobha (greed), Moha (attachment), Madha (arrogance), Matsarya (hatred and jealousy), Manas (mind), Buddhi (intellect), chitta (consciousness) and ahamkara (ego).

The misuse and abuse of his powers : In different ways, Ravana's 10 heads symbolized his powers, capabilities, accomplishments, aspects and knowledge. Once Mahabali advised Ravana to let his Buddhi (intellect) rule over the other nine aspects so that he shall walk on the right path. But, unfortunately, this only angered Ravana and he never gave heed to the good advice of elders and near and dear ones. Ultimately his lust and arrogance paved way for his destruction.

Display Classified Weekly

BOOK NOW AT THIS No. 9479314311

स्पेशल ऑफर

BOOK FOR 5 WEEKS

5+7
Paid Free

Other Categories Rate @ 60/-

Sizes

@ 60/- Sq.Cm	@ 50/- Sq.Cm
5x7	2x3
8x10	4x4
12x10	3x8
25x15	3x10
36x25	4x12

GET FREE AD FOR 7 WEEKS @ 50/- Sq.Cm

SPORTS

अन्नू ने भाला फेंक में हासिल किया आठवां स्थान

दोहा। भारत की अन्नू रानी ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिला भाला फेंक स्पर्धा में आठवां स्थान हासिल किया। अन्नू ने मंगलवार को इस चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचा था, लेकिन वे अपने प्रदर्शन को दोहरा नहीं पाई और 12 एथलीट्स के फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं।

अन्नू ने फाइनल में अच्छी शुरुआत की थी और 59.25 के पहले थ्रो के साथ वे पांचवें स्थान पर थी। इसके बाद उन्होंने 61.12 मीटर,

60.20 मीटर, 60.40 मीटर, 58.49 मीटर और 57.93 मीटर के थ्रो किए लेकिन वे राउंड दर राउंड पिछड़ती चली गई। ऑस्ट्रेलिया की केल्सी ली बार्बर ने 66.56 मीटर तक भाला फेंक स्वर्ण पदक हासिल किया। चीन की शियिंग लियू और हुईहुई ल्यु ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक हासिल किए।

अन्नू भले ही पदक हासिल नहीं कर पाई लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। वे अंजू बॉबी जॉर्ज के बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक प्राप्त करने वाली भारत की दूसरी एथलीट बनने का प्रयास कर रही थी। अन्नू ने ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने 62.43 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ फाइनल की पात्रता हासिल की थी।

अविनाश साबले ने अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड सुधारते हुए पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपल चेज इवेंट के फाइनल में प्रवेश किया। अविनाश ने 8 मिनट 25.23 सेकंड का समय निकाला और वे हीट नंबर 3 में सातवें स्थान पर रहे। वे कुल 44 धावकों में 20वें स्थान पर रहे थे। इसके बाद भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने प्रोटेस्ट किया कि अविनाश को रेस के दौरान दो बार ब्लॉक किया गया। IAAF ने भारत के प्रोटेस्ट को सही पाया और अविनाश को फाइनल में शामिल किया। इससे पहले अविनाश ने 8 मिनट 28.94 सेकंड का अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड सुधारा था। उन्होंने यह रिकॉर्ड पटियाला में इंडियन ग्रांप्रि के दौरान बनाया था।

Automobile/Technology

सितंबर में टाटा मोटर्स की बिक्री 48 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। वाहन कंपनियों के लिए सितंबर का महीना भी अच्छा नहीं रहा। इस दौरान टाटा मोटर्स की कुल बिक्री 48 प्रतिशत घटकर 36,376 वाहन रह गई। पिछले साल सितंबर में कंपनी ने 69,991 वाहन बेचे थे। कंपनी की तरफ से मंगलवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। बीते महीने टाटा मोटर्स की कुल घरेलू बिक्री 50 प्रतिशत घटकर 32,376 वाहन रह गई, जो पिछले साल सितंबर में 64,598 वाहन थी।

इस दौरान यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री 8,097 यूनिट रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 18,429 वाहनों की बिक्री से 56 प्रतिशत कम है। टाटा मोटर्स में यात्री वाहन कारोबार यूनिट के अध्यक्ष मयंक पारीक ने कहा कि सितंबर में भी वाहनों की बिक्री में गिरावट का रुख जारी है।

मारुति सुजुकी की बिक्री में 24 प्रतिशत गिरावट : अक्टूबर में मारुति सुजुकी की कुल बिक्री 24.4 फीसदी घटकर 1,22,640 वाहन रह गई। पिछले साल सितंबर में कंपनी ने 1,62,290 वाहन बेचे थे। बीते माह मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री 26.7 फीसदी घटकर 1,12,500 वाहन रह गई, जबकि कंपनी ने सितंबर, 2018 के दौरान घरेलू बाजार में 1,53,550 कारें बेची थी।

निर्यात के मोर्चे पर भी कंपनी को निराशा हाथ लगी है। पिछले महीने मारुति सुजुकी का निर्यात 17.8 प्रतिशत घटकर 7,188 कारें रह

गई। पिछले साल सितंबर में कंपनी ने 8,740 कारों का निर्यात किया था।

महिंद्रा की बिक्री में 21 प्रतिशत कमी: सितंबर में महिंद्रा एंड महिंद्रा की कुल बिक्री 21 प्रतिशत घटकर 43,343 यूनिट रह गई। एक साल पहले की इसी महीने कंपनी ने 55,022 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी की तरफ से स्टॉक एक्सचेंजों को बताया कि घरेलू बाजार में उसकी बिक्री 21 फीसदी गिरकर 40,692 यूनिट रह गई, जो सितंबर 2018 में 51,268 यूनिट थी। इस दौरान कंपनी का निर्यात भी 29 प्रतिशत घटकर 2,651 यूनिट रह गया। एक साल पहले इसी महीने कंपनी ने 3,754 वाहनों का निर्यात किया था।

टोयोटा के कारखानों से उठाव 17 प्रतिशत घटा: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कारखानों से सितंबर में कारों का उठाव 16.56 प्रतिशत घटकर 10,911 यूनिट रह गया।

GOSSIP

पूरी कहानी आई सामने, सैफ को लेना है रहमत खान से बदला

सैफ अलीखान की पूरी झलक देखने लायक है। इसका फाइनल ट्रेलर जारी हुआ है और इसमें कहानी काफी कुछ समझ आ जाती है। सैफ अली खान इस फिल्म में 'रहमत खान' के पीछे हैं और उससे बदला लेने वाले हैं। ट्रेलर से पता लगता है कि कुछ मौकों पर वे आमने-सामने हो भी जाते हैं लेकिन हालात सैफ के पक्ष में नहीं होते हैं। इस लड़ाई में दीपक डोब्रियाल को सैफ के साथ माना जा सकता है। कुल मिलाकर फिल्म की कहानी रोमांचक है और इसे देखने के लिए बेकरार हुआ जा सकता है।

अब इसका प्रचार बढ़िया रफ्तार पकड़ चुका और पिछले 15 दिनों कुछ ना कुछ नया जारी किया जा रहा है। गानों की उम्मीद इससे नहीं की जा सकती, लगता नहीं है कि इस कहानी में गाने होंगे। इस ट्रेलर से पहले दो चैप्टर भी जारी किए जा चुके हैं, टीजर पहले ही आ गया था। कल ही एक पोस्टर जारी हुआ था, इसमें क्रिएटिविटी चरम पर है। सैफ की बंदूक की नाल पर घोड़ों को दौड़ाया गया है।

18 अक्टूबर को यह रिलीज होगी, जिसमें बमुश्किल 15 दिन शेष हैं। इससे पहले आए इसके ट्रेलर के दूसरे चैप्टर में दीपक डोब्रियाल का किरदार दिखा था। वे कमाल के रोल में हैं और गेटअप भी बढ़िया है।

ट्रेलर के दूसरे चैप्टर में दीपक काफी अलग हैं। तय है कि यह रोल उन्हें नई पहचान देगा सोनाक्षी सिन्हा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, चार सेकंड की उनकी झलक दूसरे चैप्टर में

दिखती है। निर्देशक नवदीप सिंह की यह फिल्म अंग्रेजों के जमाने की कहानी है। इसमें सैफ अली खान एक बागी हैं और शानदार डायलॉग्स बोलते हैं। वे इसमें नागा साधु का रोल कर रहे हैं। इसमें कुछ हत्याएं भी उनके सिर हैं।

लाल कप्तान एक पीरियड फिल्म है। इस फिल्म में सैफ अली खान ऐसे सफर हैं जो धोखे से भरा हुआ है द्य यह बदलाखोरी की कहानी नजर आ रही है। 'लाल कप्तान' के बारे में जबरदस्त उत्सुकता है। पहले यह दशहरे पर आ रही थी लेकिन अब 18 अक्टूबर को लगेगी।

आनंद एल राय ने इसमें पैसा लगाया है। इस फिल्म में इंटरनेशनल भी पार्टनर हैं। टीजर काफी पहले जारी हो चुका था और उसमें दिखाया गया एक डायलॉग हिट रहा था जिसमें सैफ अली खान बोल रहे हैं 'हर राम का अपना रावण, हर राम का अपना दशहरा।' 2019 की मोस्ट आवेटेड फिल्मों में इसकी गिरनी की जा रही है। नवदीप सिंह इस फिल्म के निर्देशक हैं। वे इससे पहले 'मनोरमा सिक्स फीट अंडर' और 'एनएच 10' बना चुके हैं।

BOLLYWOOD HOLLYWOOD

Hrithik Roshan और Tiger Shroff की फिल्म की जबरदस्त शुरुआत

Hrithik Roshan और Tiger Shroff की फिल्म आज रिलीज हो गई है। पूरी तरह से पैक सिनेमाघरों में इसका स्वागत हुआ है। लगभग हर शहर में ये शुरुआती शो एडवांस बुकिंग से पैक हो चुके थे। दोपहर तक मल्टीप्लेक्स पैक ही चलेंगे। दो बजे के बाद वाले शो में आधी सीट्स खाली है जिनका पैक होना तय है। 2 अक्टूबर की छुट्टी का इसे जबरदस्त फायदा मिल रहा है। देश की बात करें तो दिल्ली-एनसीआर में सबसे बढ़िया माहौल है, मुंबई से भी ज्यादा पैसा इसी इलाके से आने वाला है। दिल्ली में शो 90 फीसद तक भरे हैं, जबकि मुंबई 45 फीसद पर अटकी हुई है।

बैंगलुरु भी दिल्ली की राह पर है और 80 फीसद शो पैक हुए हैं। इस फिल्म का 4डी वर्जन सभी जगह हाउसफुल है। हैदराबाद में 90 प्रतिशत शो पैक हैं। पुणे कमजोर है वहां 30 फीसद शो ही अभी पैक हैं। कोलकाता में 70 फीसद भीड़ एडवांस बुकिंग के दम पर पहुंची है। चेन्नई में गजब का माहौल है और 90 फीसद शो पैक हैं।

जानकार भी 'यश राज' बैनर की इस फिल्म की अच्छी शुरुआत को लेकर आश्वस्त हैं। लगभग तय हो चुका है कि साल की सबसे बड़ी ओपनिंग इसे मिलने वाली है। 2019 में 'भारत' ने पहले दिन 42.30 करोड़ रुपए कमाए थे, यही इस साल की सबसे बड़ी ओपनिंग है।

War इस साल की सभी फिल्मों से आगे निकल सकती है। 'मिशन मंगल' दूसरे नंबर पर है, इसे पहले दिन 29.16 करोड़ रुपए हासिल हुए थे। माना जा रहा है कि War को पहले दिन 45 करोड़ का आंकड़ा हासिल होना तय है। यह होता है तो फिल्म वीकेंड तक 150 करोड़ के पार होगी।

WAR का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। वाणी कपूर इसमें एकमात्र हीरोइन हैं।

बढ़िया एक्शन सीन हैं और स्टोरी भी काफी अलग दिख रही है। रितिक और टाइगर पहली बार साथ आए हैं।

पूरे देश में इसे तीन भाषाओं में हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज किया गया है। यशराज बैनर के लिए इससे पहले रितिक रोशन ने साल 2006 में आई 'धूम 2' में काम किया था। इसमें उनकी हीरोइन ऐश्वर्या राय थीं और फिल्म सुपरहिट थी।

आज भारत को महात्मा की ज्यादा जरूरत है

कमल नाथ

वे लोग महान है जिन्होंने इस धरती पर महात्मा गांधी को देखा और सुना था। महात्मा गांधी जैसा व्यक्तित्व सदियों में जन्म लेता है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने सच कहा था कि - आने वाली पीढ़ियाँ शायद ही वह विश्वास करें कि इस धरती पर गांधीजी जैसा हाड़-मांस का पुतला कभी चलता था।

आज पूरा देश गांधी जी की 150वीं जयंती मना रहा है। यह हम सब के लिए अभूतपूर्व अवसर है। सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि भारत जैसे कई देशों के लिए यह विशेष अवसर है क्योंकि महात्मा गांधी एक विश्व नागरिक थे। पूरी दुनिया यह जानकर आश्चर्यचकित थी कि सत्य और अहिंसा के दो दिव्य अस्त्रों के साथ भारत ने अपने नागरिक अधिकारों की लड़ाई कैसे लड़ी और जीती। पहले दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह और फिर स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करते हुए महात्मा गांधी विश्व के शीर्ष नेताओं की श्रेणी में गिने जाने लगे थे। इसलिए स्वाभाविक रूप से महात्मा की 150वीं जयंती का वैश्विक महत्व है। आज हमें महात्मा गांधी को याद करने और उनके दर्शन को समझने की सबसे ज्यादा जरूरत है। वह इसलिए कि भारत सहित विश्व के कई देशों की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों में जो तनाव चल रहा है उसका समाधान गांधी जी के दर्शन में है। नैतिक मूल्यों और मानवीय गरिमा पर जो संकट है उसे दूर करने में गांधीजी मदद कर सकते हैं। धर्म और जाति को लेकर उन्माद की जो स्थिति बन रही हैं उससे बचने का उपाय गांधी जी के विचारों में है। गांधी जी अपने समय से बहुत आगे थे। उनका जीवन शिक्षा देता है कि अच्छे विचारों को अपना लो, बुरे विचार अपने आप दूर हो जायेंगे। विचार कोई शोभा की वस्तु नहीं है, विचार आत्मा की शुद्धि के काम आते हैं। उनसे मानव-कल्याण का काम किया जाता है।

आज हमें गांधी जी से बहुत सीखने की जरूरत है, उनका जीवन स्वयं एक पाठशाला है। सत्य की पाठशाला, जहाँ जीवन मूल्यों को समझने, समझाने और व्यावहारिक रूप में अपनाने के तौर-तरीके सिखाये जाते हैं। गांधी दर्शन की पाठशाला अब विश्वविद्यालय का स्वरूप ले चुकी है और सबके लिए हमेशा खुली है। यहाँ सभी धर्मों, जाति और विचारधाराओं के लोग शिक्षा लेने आ सकते हैं। महात्मा गांधी भारत की पहचान है। पूरे विश्व में भारत को गांधी का देश कहते हैं। गांधीजी के बिना भारत की कल्पना अधूरी है। गांधीजी भारत के कण-कण में दर्शनीय है। गांधीजी सर्वोदय आधारित समाज की स्थापना करना चाहते थे। सर्वोदय का सीधा अर्थ है सबका कल्याण। सबकी समृद्धि। वे पर्यावरण को भी जीवंत मानते थे। इसलिए पर्यावरण की रक्षा और विवेकपूर्ण उपयोग की बात करते थे। गांधी जी एक महान शिक्षक भी थे। जिन सर्वश्रेष्ठ और मानव हितैषी विचारों को उन्होंने अपनाया, उनका ईमानदारी से पालन किया। सच्चाई के रास्ते पर चलने के तरीके सिखाए, जो आज पूरी दुनिया के लिए मिसाल है। वे कर्मयोगी, ज्ञानयोगी और भक्तियोगी थे। आज हर समाज चाहता है कि वह कर्म, ज्ञान और भक्ति का समन्वय बने और अपने नागरिकों से इसे अपनाने की अपेक्षा करें। इसलिए गांधी जी के दर्शन में हर धर्म का स्थान और मान-सम्मान है। आज भारत सहित पूरे विश्व में सर्वधर्म समभाव की जरूरत है। सत्य और शांति की स्थापना की जरूरत है। साथ ही व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुँचाए बिना तरक्की करने की जरूरत है।

मैं युवाओं से आग्रह करूंगा कि गांधी जी की 150वीं जयंती पर उनके जीवन और उनके लेखन को पढ़ें। महात्मा गांधी का जीवन पढ़ने पर खुद इस सवाल का जवाब भी मिल जाएगा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उनके नहीं रहने पर क्यों कहा था कि 'हमारे जीवन से प्रकाश चला गया।' गांधीजी को जितना पढ़ेंगे, उतना हमारा रास्ता आसान होगा। वे कहते थे कि शिक्षा का अर्थ है चारित्रिक दुर्गुणों के प्रति सचेत रहना और उन्हें दूर करना।

गांधी जी को अपनाना आसान है। गांधी के रास्ते पर चलना आसान है, हर नागरिक अपने आप में गांधी हैं। यदि आप सच बोलना और सुनना चाहते हैं, यदि आप आत्म-निर्भर बनने के लिए प्रयत्नशील हैं, यदि हर धर्म का सम्मान करते हैं और शांति चाहते हैं, यदि अपने साथी नागरिकों की गरिमा का सम्मान करते हैं, पर्यावरण की रक्षा और आदर करते हैं, यदि अपने कारीगरों की कला पर गर्व करते हैं और कमजोर का साथ देते हैं, तो समझिए कि आप गांधीजी के दर्शन पर अमल कर रहे हैं। आइए हम सब मिलकर सर्वोदय आधारित भारत बनाने में अपनी भूमिका तय करें और पूरी ईमानदारी से अपने कर्त्तव्य का पालन करें।

राजभवन में गुंदेचा बन्धुओं का ध्रुपद गायन 2 अक्टूबर को

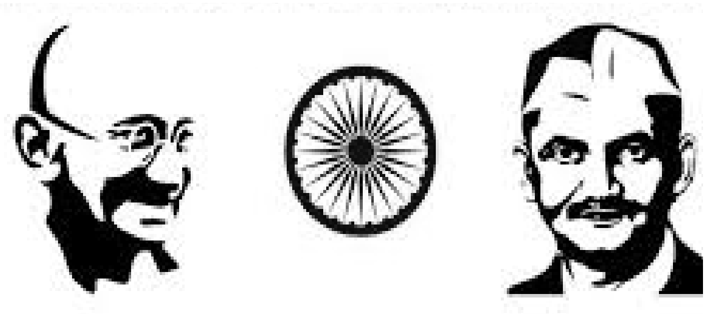

भोपाल। गाँधी जी के 150वें जन्म वर्ष पर 2 अक्टूबर को शाम 6:00 बजे राजभवन में ध्रुपद गायन समारोह आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में पद्मश्री कलाकार गुंदेचा बंधु प्रस्तुति देंगे। राज्यपाल श्री लालजी टंडन ने सृजनात्मकता का परिचय देते हुए राजभवन को सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों के संरक्षण का केन्द्र बनाया है। इसी क्रम में ध्रुपद गायन समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

शास्त्रीय संगीत की समृद्ध गायन शैली है ध्रुपद : ध्रुपद, शास्त्रीय संगीत की समृद्ध गायन शैली है। इसे संरक्षित करते हुए समृद्ध बनाने में डागर घराने की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस घराने की परंपरा को उमाकांत और रमाकांत गुंदेचा आगे बढ़ा रहे हैं। नाट्य शास्त्र के अनुसार वर्ण, अलंकार, गान-क्रिया, यति, वाणी, लय आदि के परस्पर संबंध के गीतों को ध्रुव कहा गया है। जिन पदों में यह नियम शामिल हों, उन्हें ध्रुवपद या ध्रुपद कहा जाता है। ध्रुपद, संस्कृति के शास्त्रों पर आधारित गायकी है, जिसे हम आज की भाषा में शास्त्रीय संगीत कहते हैं। इसे पहले मार्गीय संगीत कहा जाता था। डागर घराने ने संगीत, राग और स्वर क्या है और संगीत के उद्देश्य आदि पर अनुसंधान कर ध्रुपद गायकी को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राज्यपाल टंडन द्वारा 25 विषयों का नवीन पाठ्यक्रम प्रारूप बनाने के निर्देश

सात विश्वविद्यालयों में प्रारूप बनाने के लिये होंगी कार्यशालाएँ

भोपाल। राज्यपाल श्री लालजी टंडन ने प्रदेश के प्रमुख विश्वविद्यालयों को विभिन्न विषयों में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों की नवीन संरचना का दायित्व सौंपा है। विश्वविद्यालयों द्वारा तैयार किया गया प्रस्तावित पाठ्यक्रम केन्द्रीय अध्ययन मंडल के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाएगा। पाठ्यक्रम प्रारूप बनाने का कार्य सात विश्वविद्यालयों को विषयवार सौंपकर उनसे कहा गया है कि इस माह अक्टूबर तथा नवम्बर और दिसम्बर माह में कार्यशालाएँ आयोजित कर पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार कर प्रस्तुत करें।

राज्यपाल ने कुलपतियों को निर्देश दिये हैं कि उच्च शिक्षा विभाग और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर कार्यशालाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। विद्वानों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के सुझाव आमंत्रित किये जायें। प्राप्त सुझावों को कार्यशाला में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाए।

श्री लालजी टंडन के निर्देशानुसार देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर द्वारा अर्थशास्त्र, वाणिज्य, व्यावसायिक प्रबंधन, कम्प्यूटर साईंस, गणित पाठ्यक्रमों के लिए कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा प्राणी शास्त्र, गृह विज्ञान, माइक्रो बॉयलाजी, बायो टेक्नोलॉजी, बायो केमिस्ट्री, योग विज्ञान, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा दर्शन शास्त्र, मनो विज्ञान, राजनीति विज्ञान, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा वनस्पति शास्त्र, भौतिक शास्त्र, प्राणी शास्त्र, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, इतिहास, भूगोल, समाज शास्त्र, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा द्वारा भूगर्भ शास्त्र, रसायन शास्त्र, पर्यावरण विज्ञान, अंग्रेजी साहित्य और अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा हिन्दी साहित्य और आधार पाठ्यक्रम के लिए कार्यशालाएँ आयोजित कर पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार किये जाएंगे।

चित्रकला प्रतियोगिता से शुरू हुआ वन्य-प्राणी सप्ताह करीब 1650 विद्यार्थी हुए शामिल

भोपाल। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में आज चित्रकला प्रतियोगिता के साथ वन्य-प्राणी सप्ताह का आगाज हुआ। अपर मुख्य सचिव श्री ए.पी. श्रीवास्तव ने ड्राइंग बनाकर और वन्य-प्राणी छायाचित्र प्रतियोगिता प्रदर्शनी का उद्घाटन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। भोपाल के 62 स्कूल-कॉलेज के लगभग 1650 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में शामिल होकर आकर्षक चित्रकारी की। कक्षा-1 से 4 तक के बच्चों ने 'मेरा प्रिय वन्य-प्राणी', कक्षा-5 से 8 तक के बच्चों ने 'भोपाल का प्राकृतिक सौंदर्य मेरी नजर में', कक्षा-9 से 12 तक के बच्चों ने 'हमारा राष्ट्रीय वन्य-प्राणी प्राकृतिक आवास में' विषय पर पेंटिंग बनाई। महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने 'राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटन' और दिव्यांग छात्रों ने अपनी पसंद की पेंटिंग बनाई।

संचालिका वन विहार राष्ट्रीय उद्यान श्रीमती कोमलिका मोहंता ने वन्य-प्राणी सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। विश्व प्रकृति निधि भारत की संचालक श्रीमती संगीता सक्सेना द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी 'टूनी टेल्स' को पर्यटकों ने काफी सराहा। मौके पर जैव-विविधता बोर्ड, ईको पर्यटन विकास निगम, अनुसंधान एवं विस्तार, बाँस मिशन और लघु वनोपज संघ द्वारा भी स्टॉल लगाये गये हैं। वन बल प्रमुख डॉ. यू. प्रकाशम, वरिष्ठ वन अधिकारी, शिक्षक और अभिभावक मौजूद थे।

2 अक्टूबर के कार्यक्रम

वन विहार में 2 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से 8.30 बजे तक पक्षी अवलोकन और जैव-विविधता शिविर होगा। इसके बाद सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होटल पलाश रेसीडेंसी में 'कंजर्वेशन वर्सेस डेव्हलपमेंट' युवा संसद होगी। इसमें प्रदेश के सभी वन वृत्तों से चयनित छात्र-छात्राएँ भाग लेंगे।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक हर्षपाल सिंह बग्गा द्वारा जनविचार प्रिंटर्स एंड पब्लिकेशन, 43, चिकलोद रोड जहांगीराबाद,भोपाल से मुद्रित एवं 73-ए शुभालय बावड़िया कला त्रिलंगा भोपाल से प्रकाशित। संपादक-हर्षपाल सिंह बग्गा

Printer, Publisher and Owner Harshpal Singh Bagga and Printed at JANVICHAR PRINTERS & PUBLICATION, 43, CHIKLOD ROAD JAHANGIRABAD, BHOPAL and Published at 73-A, Shubhalay Bawadiya Kala Trilanga Bhopal 462039. Editor-HARSHPAL SINGH BAGGA Mob. 9754833229, ACCURATECONCEPTION@GMAIL.COM